Rapid Fire करेंट अफेयर्स (24 October)

drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-october-24

1. संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक संकट का दौर

- संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरस के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र भी इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहा है।
- उन्होंने आशंका जताई कि अक्तूबर, 2019 के अंत तक UN का धन कोष पूरी तरह खाली हो जाएगा।
- संयुक्त राष्ट्र के पास 23 करोड़ डॉलर नकदी की कमी है और इसी वजह से कुछ समय पहले UN मुख्यालय की लिफ्ट और एयरकंडीशन सिस्टम को बंद करने का फैसला किया गया था। वहीं अब वीकेंड (शनिवार-रविवार) पर मुख्यालय को बंद रखने का फैसला लिया गया है।
- इसके अलावा मुख्यालय में काम कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों से भी आधिकारिक बैठक, यात्रा और दस्तावेज़ों का छह भाषाओं में अनुवाद करने में कटौती करने के लिये कहा गया है।
- UN प्रबंधन अपने 37हज़ार कर्मचारियों के वेतन का प्रबंध करने की कोशिशों में जुटा है।

इन देशों ने नहीं किया भुगतान

संयुक्त राष्ट्र में 193 देश शामिल हैं। कनाडा, सिंगापुर, भूटान, फिनलैंड, न्यूज़ीलैंड और नॉर्वे जैसे देशों ने UN को अभी तक बकाए का भुगतान नहीं किया है। इस साल भारत ने UN को 23,253,808 डॉलर का भुगतान किया है। साल 2018-19 में UN का बजट लगभग 5.4 बिलियन डॉलर था, जिसमें इसके द्वारा चलाए जाने वाले **शांति अभियानों** का बजट शामिल नहीं था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी दस्तावेज़ से पता चलता है कि 131 सदस्यों में से केवल 34 देशों ने अपने वार्षिक बजट राशि का हिस्सा UN को नहीं दिया है।

एक दशक में सबसे गंभीर संकट

संयुक्त राष्ट्र को पिछले एक दशक में पहली बार इतने गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। 4 अक्तूबर, 2019 तक केवल 128 देशों से 199 करोड़ डॉलर की राशि प्राप्त हुई है, लेकिन 65 देशों ने 138.6 करोड़ डॉलर का भुगतान नहीं किया है। इसमें 100 करोड़ डॉलर की राशि अकेले अमेरिका को देनी है।

भारत का देनदार है UN

भारत उन 35 देशों में शामिल है जिसने UN को अपने सभी बकाया का भुगतान समय पर कर दिया है। भारत ने 31 जनवरी, 2019 तक अपने नियमित बजट मूल्यांकन का 2.32 करोड़ डॉलर दे दिये हैं। संयुक्त राष्ट्र पर भारत का 3.8 करोड़ डॉलर बकाया है, जो मार्च 2019 तक किसी भी देश के मुकाबले शांति अभियानों के लिये भुगतान की जाने वाली सबसे अधिक राशि

है। 'संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय स्थिति में सुधार' पर हुई चर्चा से पता चला कि भारत सहित 27 TCC ग्रुप 77 के 17 देश अभी भी समाप्त हो चुके शांति अभियानों के लिये अपनी **वैध प्रतिपूर्ति** का इंतज़ार कर रहे हैं।

---

2. प्रथम भारत-बांग्लादेश हितधारक बैठक

23 अक्तूबर, 2019 को असम के गुवाहाटी में प्रथम भारत-बांग्लादेश हितधारक बैठक का आयोजन किया गया।

- इसका उद्देश्य बेहतर संपर्क ढाँचे से प्रतिस्पर्द्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं की उपलब्धता को बढ़ाना और निर्यात के अवसर में वृद्धि करना है जिससे लोगों को उचित दाम पर वस्तुएँ मिलेंगी।
- भारत, बांगलादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच आयात-निर्यात में काफी वृद्धि हुई है।
- पचास खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के प्रयास से बांगलादेश और म्यांमार को भी लाभ पहुँचेगा।
- असम के जोगीझोपा में प्रस्तावित मल्टीमोडल केंद्र से इस पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।
- इस बैठक का एक अन्य उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन तथा बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के साथ व्यापार विस्तार में असम को केंद्रबिंदु बनाना है।

सीमाहाट

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मेघालय तथा त्रिपुरा में शून्य सीमा-रेखा के पास साप्ताहिक बाज़ार के तौर पर बार्डर-हाट भी लगाए जाते हैं। सीमा हाट के ज़रिये जिन जिंसों का व्यापार किया जाएगा उनमें स्थानीय स्तर पर उत्पादित सब्जियाँ और परिधान शामिल हैं। चार सीमा हाटों- बलियामारी-कलाईचार, लाउवाघर-बलात, पूर्वी मादुग्राम और मिडल प्लेस आफ सागरिया-श्रीनगर और तारापुर-कमलसागर पर जिंसों के व्यापार की अनुमति दी गई है। जिन उत्पादों का सीमा हाट के ज़रिये व्यापार होगा उनमें फल, बाँस, घाट, कुटीर उद्योगों के उत्पाद, कृषि उपकरण, फलों का जूस, कास्मेटिक्स और स्टेशनरी का सामान शामिल है।

---

3. पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों का लोगो (Logo) लॉन्च

पेरिस में वर्ष 2024 में होने वाले ओलंपिक और पैरालम्पिक खेलों का लोगो खेलों की आयोजन समिति ने लोगो लॉन्च किया।

- लोगो के नए डिज़ाइन में तीन चीजें एक साथ हैं- ओलम्पिक खेल, फ्रांस और मारियान।

- इसमें मारियान के होंठ और आउटलाइन शामिल हैं जो स्वतंत्रता और तर्क के रूप में फ्राँसीसी क्रांति के बाद से फ्राँसीसी गणतंत्र का राष्ट्रीय व्यक्तित्व रहा है।
- यह सर्कुलर डिज़ाइन और पेरिस **आर्ट डेको स्टाइल (Art Deco Style)** में फ्राँसीसी क्रांति के बाद से तर्क के रूप में फ्राँसीसी गणतंत्र हिस्सा रहा है।
- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति समन्वय आयोग के अध्यक्ष पियरे-ओलिवियर बेकर्स-वियुजेंट के अनुसार, यह लोगो खेल के सबसे बड़े मूल्य 'सर्वश्रेष्ठ बनने के लिये लगातार प्रयास करते रहने' को दर्शाता है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2028 के ओलंपिक खेलों की मेज़बानी अमेरिकी शहर लॉस एंजेलस को मिली है।

---

4. यूनिसेफ से जुड़े आयुष्मान खुराना

तरह-तरह के सामाजिक मुद्दों पर फिल्में करने वाले बॉलीवुड अभिनेता **आयुष्मान खुराना**, यूनिसेफ से जुड़ गए हैं।

- वह यूनिसेफ के महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़कर महिलाओं और बच्चों के प्रति यौन अपराध के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे।
- आयुष्मान खुराना पॉक्सो अधिनियम/एक्ट पर भी काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि पॉक्सो अधिनियम बच्चों के साथ यौन अपराध और तस्करी के मामलों पर लागू होता है।
- इस अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया, टीवी और सिनेमा हॉल के ज़रिये सभी भारतीयों तक पहुँचना है और आयुष्मान सभी चरणों में इसे सपोर्ट करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष की स्थापना का आरंभिक उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध में नष्ट हुए राष्ट्रों के बच्चों को खाना और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। इसकी स्थापना **संयुक्त राष्ट्र** महासभा ने 11 दिसंबर, 1946 को की थी। पूर्व में इसे संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (United Nations International Children's Emergency Fund) कहा जाता था। इसका मुख्यालय न्यूयार्क में है।